B.Ed.
(परिवर्धित)

बी. एड. (परिवर्धित) पाठ्यक्रम हेतु दत्तकार्य

द्वितीय वर्ष

(जनवरी 2017 सत्र)

शिक्षा विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

बी. एड. (परिवर्धित) पाठ्यक्रम हेतु दत्तकार्य

द्वितीय वर्ष (जनवरी 2017 सत्र)

बी.ई.एस. 126 : ज्ञान एवं पाठ्यचर्या

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. पाठ्यचर्या मूल्यांकन के महत्व की व्याख्या कीजिये. अपने उत्तर के समर्थन में उचित उदाहरण दीजिये.
2. कक्षा–कक्ष में ज्ञान के सृजन में शिक्षकों की भूमिका की चर्चा कीजिये.
3. एक शिक्षक के रूप में, विद्यालय, समुदाय और पाठ्यचर्या में सम्बन्ध दर्शाने वाले कुछ उदाहरणों का उल्लेख कीजिये.

बी. ई. एस. 127 : अधिगम हेतु आंकलन

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन के संप्रत्ययों की व्याख्या कीजिये. दोनों में उचित उदाहरणों की सहायता से अंतर स्पष्ट कीजिये.
2. वैद्यता के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. एक परीक्षण की वैद्यता को प्रभावित करने वाले कारकों की चर्चा कीजिये.
3. निदानात्मक परिक्षण क्या है? एक उपलब्धि परिक्षण से ये किस प्रकार भिन्न है? ऐसी परिस्थिति की चर्चा कीजिये जिसमे आप एक निदानात्मक परिक्षण का प्रयोग कर सकते हैं.

बी. ई. एस. 128 : एक समावेशी विद्यालय का निर्माण

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. विविधता और समावेशन से आप क्या समझते हैं? शिक्षा में विविधता और समावेशन की चर्चा कीजिये.
2. पाठ्यचर्या में विविध अनुकूलनों और मूल पाठ्यचर्या की विस्तृत चर्चा कीजिये.
3. एक विधार्थी–शिक्षक के रूप में आप किस प्रकार समावेशन के लिए संसाधनों का इस्तेमाल करेंगे?

बी.ई.एस. 129 : जेंडर, समाज और विद्यालय

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. विभिन्न मूलभूत लैंगिग संप्रत्ययों का विस्तृत वर्णन कीजिये.

2. लैंगिग दृष्टि से संवेदी अधिगम परिवेश निर्माण के विभिन्न उपागमों की चर्चा कीजिये.

3. एक विद्यार्थी–शिक्षक के रूप में आप कक्षा–कक्ष में किस प्रकार लैंगिग–समानता को प्रोत्साहित करेंगे?

बी.ई.एस. 131 : मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा किस प्रकार भारत में शिक्षा के प्रजातंत्रीकरण में प्रभावी है? व्याख्या कीजिये.

2. मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा में अपनाई जाने वाली विभिन्न अनुदेशन युक्तियों की चर्चा कीजिये.

3. दूरस्थ शिक्षार्थी के स्व–अध्ययन को प्रभावित करने वाले कारकों की पहचान कीजिये. बी. एड. पाठ्यक्रम के एक शिक्सर्थी के रूप में अपने अनुभव के आधार पर उन कारकों का वर्णन कीजिये जिन्होंने अपने स्व–अध्ययन को प्रभावित किया हो.

बी.ई.एस. 132 : निर्देशन एवं उपबोधन

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. सामूहिक निर्देशन के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. विद्यालय में किन्हीं दो सामूहिक निर्देशन क्रियाकलापों का आयोजन कीजिये और उनपर एक प्रतिवेदन लिखिए.

2. उपबोधन में प्रयोग होने वाले चरणबद्ध विसुग्राहीकरण तकनीकी की चर्चा कीजिये. यह स्वस्फूर्त विसुग्राहीकरण तकनीकी से किसप्रकार भिन्न है?

3. एक मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति के लक्षणों का वर्णन कीजिये. अपने शिक्षार्थियों में मानसिक स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षकों द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का वर्णन कीजिये.

बी.ई.एस. 135 : सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी

निम्नलिखित प्रश्नों में से प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिये.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं.

1. माध्यमिक स्तर पर शिक्षण–अधिगम प्रक्रिया में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर संरचनावाद की उपदेयताओं का वर्णन कीजिये.

2. परंपरागत और नवीन डिजिटल माध्यमों में अंतर स्पष्ट कीजिये. नवीन डिजिटल माध्यम माध्यमिक स्तर पर शिक्षकों और शिक्षार्थियों की किस प्रकार सहायता कर सकते हैं? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये.

3. 'शैक्षिक प्रबंधन' के संप्रत्यय की व्याख्या कीजिये. एक विद्यालय के वित्तीय संसाधनों के प्रबंधन में सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी का प्रयोग कैसे किया जा सकता है? उदाहरण सहित चर्चा कीजिये.